B - III
L - 26
Economy

वित्तीय बाजार से संबंधित महत्वपूर्ण शब्द

Notes :- 1

- यदि कोई कम्पनी पहली बार लोगों के समक्ष इक्विटी को बेचने का प्रस्ताव करती है तो उस प्रस्ताव को IPO (इनिशियल पब्लिक ऑफर) कहते हैं।

इस सन्दर्भ में कम्पनी द्वारा निवेशकों के लिए एक Prospectus जारी किया जाता है जिसे 'ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस' (DRHP) कहते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Note :- 2

IPO इनिशियल पब्लिक ऑफर के बाद में कम्पनी द्वारा लाये जाने वाले पब्लिक ऑफर को FPOs (फॉलो-आन पब्लिक ऑफर) कहते हैं

Note : 3 OFS - (ऑफर-फार सेल)

एक इलेक्ट्रोनिक ऑफर होता है जो जनता के समक्ष इलेक्ट्रोनिक रूप से प्रस्तुत किया जाता है।

यह केवल एक दिन के लिए खुला रहा है। शेयर बाजार की इलेक्ट्रानिक व्यवस्था का प्रयोग करके इसमें भागीदारी की जा सकती है। यह fast-track issue का एक उदाहरण है

भारत सरकार द्वारा विनिवेश के लिए इसका प्रयोग कई बार किया जाता है

Note:- यदि कोई कम्पनी पब्लिक ऑफर लाने के बजाय चयनित निवेशकों को अपनी ईक्विटी बेच देती है तो इसे Private Placement कहते हैं।

Note:- यदि कोई कम्पनी अपनी ईक्विटी को कुछ संस्थाओं को बेच दे और पब्लिक ऑफर न लाये तो इसे QIP (क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट) कहते हैं

Note:- यदि कोई कम्पनी पुराने ईक्विटी धारकों को ही नई ईक्विटी ऑफर करती है तो इसे राइट्स इश्यू (Rights-issue) कहते हैं।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

यूरो निर्गमन (Euro Issues) :-

विदेशी मुद्रा में विदेशों में पूँजी जुटाने वाले Issues।

भारतीय कम्पनियों द्वारा लाये जाने वाले यूरोनिर्गमन

(i) ADR – American Depository Receipts

- अमेरिका में।
- अमेरिकन डॉलर में।

इक्विटी पूँजी के लिए

(ii) GDR – Global Depository Receipts

- European में।
- European मुद्रा में।

इक्विटी पूँजी के लिए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

(iii) FCCB - Foreign Currency Convertible Bond

- विदेशों में।
- विदेशी मुद्रा में।

ऋण पूँजी के लिए

Note:- ये बॉन्ड निवेशकों को एक निश्चित समय के बाद ईक्विटी में परिवर्तन करने का विकल्प देते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

विदेशी कम्पनियों द्वारा भारत में लाये जाने वाले पूरी निर्गमन :

IDR / BhDR

(Indian / Bharat Depository Receipts.)

- भारत में
- भारतीय रूपये में

ईक्विटी पूँजी के लिए

डीमेट (Demat) :-

वह प्रक्रिया जिसमें ईक्विटी बॉन्ड आदि के भौतिक स्वरूप को समाप्त करके उन्हे इलेक्ट्रानिक स्वरूप में बदला जाता है, इससे ईक्विटी आदि को रखना या उनका लेन-देन करना आसान हो जाता है

उपर्युक्त सन्दर्भ में लोगों को एक खाता खुलवाना होता है जिसे Demat A/C कहते हैं।

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

Depository :- निक्षेप-निधी

डीमेट करने वाली संस्थाओं को निक्षेप-निधी कहते हैं

भारत की ईक्विटी बाजार में निम्न दो संस्थाएँ निक्षेप-निधी के रूप में कार्य कररही है

(i) NSDL = National Securities Depository Ltd.

(ii) CDSL = Central Depository Services of India Ltd.

Speculation - सट्टा :

भविष्य में होने वाले कीमत परिवर्तनों से लाभ उठाने के लिए वर्तमान में सिक्योरिटी, वस्तु आदि का लेन-देन करना।

जो लोग ऐसा करते हैं उन्हे सटोरिया (Speculators) कहते हैं।

यह दो प्रकार के होते हैं।

(i) Bulls (तेजड़िया) :

ऐसे सटोरिया जो भविष्य में कीमत बढ़ने का अनुमान लगाते हैं और वर्तमान में सिक्योरिटी, वस्तु को खरीदने के सौदे करते हैं।

(ii) Bears (मंदड़िया) :-

ऐसे सटोरिया जो भविष्य में मंदी का अनुमान लगाते हैं और वर्तमान में बेचने के सौदे करते हैं।

Note :- Short sellers एक प्रकार के मंदड़िया होते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR